SHRI BHUPESH GUPTA : I am not objecting to it. Actually, that is the only thing that I like in you. But the point is, when this report goes outside this country, it will not go with a seal that it is a part of his humour. That way, people will deal with lavity such reports as this.

SHRI K. C. PANT : Our press correspondents have also a sense of humour.

So far as going deeper in the cases of Delhi, I have asked the Police Bureau, which is an all-India Bureau of research, look into the crimes in Delhi and I hope they will come up with an answer.

INTERIM REPORTS SUBMITTED BY THE NATIONAL COMMISSION ON AGRICULTURE

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI ANNASAHEB SHINDE) : Sir, I beg to lay on the Table a statement (In English and Hindi) on the four Interim Reports submitted by the Commission on Agriculture.

REFERENCE TO HARYANA TEACHERS' AGITATION

श्री नवल किशोर (उत्तर प्रदेश) : श्रीमन्, मैं आपकी आज्ञा से इस सदन का और सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं, हरियाणा में जो एक महीने से टीचर्स की हड़ताल चल रही है उसके विषय में।

श्रीमन्, अब तक कोई 15 हजार से ज्यादा अध्यापक गिरफ्तार हो चुके हैं, जिनमें से 10 हजार अध्यापक सिर्फ दिल्ली के अन्दर गिरफ्तार हुए हैं और तकलीफ की बात यह है कि इनको बरेली, इलाहाबाद, बनारस वगैरह उत्तर प्रदेश की जेलों में भेजा गया है। इतना ही नहीं टीचर्स को बुरी तरह से पीटा गया है। जो लेडी टीचर्स हैं उनको बाल पकड़ कर घसीटा गया है, गुंडों का इस्तेमाल किया गया है, उनको बेइज्जत करने के लिए।

इतना ही नहीं, जो टीचर्स के लीडर्स हैं श्री ललित कुमार शर्मा, उसको यहां से किडनेप करके गुड़गांव जेल में बन्द कर दिया गया और अब वह रोहतक जेल में हैं। मि० दल सिंह जो कि मौजूदा एम०एल०ए० हैं, उन्होंने टीचर्स के साथ में सहानुभूति की—वह भूतपूर्व मंत्री भी हैं और कांग्रेस (संगठन) के एक बड़े नेता भी हैं—उनको 'सी' क्लास के अन्दर ठूंस दिया गया।

श्रीमन्, इतना ही नहीं हुआ। जो फंडामेंटल राइट हैं, हर कैदी को, हर डेटिन्यू को यह हक है कि वह किसी वकील के जरिये से अपने आपको डिफेन्ड कर सके, तो श्री देवेन्द्र सिंह जो अध्यापक नेता हैं, जो जेल में बन्द थे उनकी बेल के सिलसिले में मेजर सुरेन्द्र सिंह राव जब गए तो उनको कोर्ट के अन्दर गिरफ्तार कर लिया गया।

श्री महावीर त्यागी (उत्तर प्रदेश) : वकील को ?

श्री नवल किशोर : फंडामेटल राइट्स की निर्मम हत्या हो रही है। आज हरियाणा में कोई कानून नहीं है, बल्कि जैसा कि मैडिवियल एज में होता था जो जंगल का कानून वह वहां लागू हो रहा है। इसका नतीजा यह है कि आज राजस्थान, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, पंजाब आदि के अध्यापकों ने यह तय किया है कि हम अपने बैचेज हरियाणा में भेजेंगे और उनकी सहानुभूति में अपने आपको गिरफ्तार कराएंगे। दिल्ली यूनिवर्सिटी टीचर्स यूनियन के जो प्रेसीडेन्ट हैं मि० कुमारेश चक्रवर्ती, वह 20 टीचर्स के साथ कल गिरफ्तार हुए हैं पटेल चौक के अन्दर, उनके साथ 499 आदमी हरियाणा के और जो दिल्ली स्कूल्स के टीचर्स के हैं, वह भी वहां गिरफ्तार हुए। वह गिरफ्तार हो रहे हैं। उनका सिर्फ एक ही प्रोटेस्ट था कि आज बंशीलाल जी जो कि केन्द्र के बड़े लाड़ले बेटे हैं उनका जो डिक्टेटोरियल तरीका है, वह आज जो डिक्टेटोरियल तरीका अध्यापकों को कुचलने के लिए चला रहे हैं, उनको वह बर्दाश्त नहीं कर सकते।